मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया दीपावली रोशनी का शुभारंभ

उन्होंने आमजन का अभिवादन स्वीकार कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं



जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जयपुर के एम.आई. रोड पहुंचकर दीपावली रोशनी का शुभारंभ किया। उन्होंने जैसे ही बटन दबाया, पूरा एम.आई. रोड बाजार जगमगा उठा।

इस अवसर पर आमजन में खासा उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने भी आमजन का अभिवादन स्वीकार कर सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान जनप्रतिनिधि, एम.आई रोड व्यापार मंडल के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

सब्सिडी वाली खाद की कालाबाजारी करने वालों को 7 साल तक की सजा होगी

जयपुर। किसानों को रियायती दरों पर पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान सरकार ने अनुदानित यूरिया और डीएपी की कालाबाजारी, जमाखोरी, अवैध भंडारण और औद्योगिक उपयोग पर सख्ती शुरू कर दी है। कृषि आयुक्तालय ने प्रदेशभर के अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि किसानों के लिए मिलने वाली सब्सिडी वाली खाद का गैर-कृषि कार्यों में उपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अनियमितताओं में शामिल लोगों के साथ कार्रवाई में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की भी व्यक्तिगत जवाबदेही तय होगी।

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने बताया कि केंद्र सरकार यूरिया के प्रति बैग पर करीब 2700 रुपए और डीएपी पर करीब 3500 रुपए तक सब्सिडी देती है। इसका उद्देश्य किसानों की खेती की लागत कम करना है। ऐसे में अनुदानित खाद का औद्योगिक उपयोग सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग और किसानों के हितों के साथ धोखा है।

- **कृषि विभाग ने यूरिया-डीएपी के अवैध भंडारण, औद्योगिक उपयोग और महंगे दाम पर बिक्री पर कार्रवाई के निर्देश दिए**

आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 7 के तहत अनियमितताओं पर तीन माह से सात वर्ष तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। धारा 10 के तहत दोषी कंपनियों के साथ जिम्मेदार व्यक्तियों पर भी कार्रवाई होगी। अवैध परिवहन में इस्तेमाल वाहनों को भी जब्त किया जा सकेगा। निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर खाद बेचने, अवैध भंडारण और सब्सिडी वाली खाद का डायवर्जन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्लाईवुड, रेजिन, पशु आहार सहित यूरिया का उपयोग करने वाली औद्योगिक इकाइयों को हर महीने गैर-अनुदानित यूरिया की खरीद और उससे हुए उत्पादन का विवरण विभाग को देना होगा। वहीं, कालाबाजारी या अवैध भंडारण की जानकारी मिलने पर कृषि अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करनी होगी। लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का प्रवर्तन अधिकारी एक लाख रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जयपुर नगर चतुर्थ टीम ने बुधवार को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) जयपुर के प्रवर्तन अधिकारी सोनू मौर्य को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोपी पर परिवादी की फर्म में कार्यरत कर्मचारियों का पीएफ जमा नहीं कराने के मामले में एफआईआर दर्ज नहीं करने और बैंक खाते फ्रीज नहीं करने की एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है।एसीबी के पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी जयपुर नगर चतुर्थ को परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसकी फर्म में कार्यरत कर्मचारियों का पीएफ जमा नहीं करवाने के संबंध में उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज नहीं करने और बैंक खाते फ्रीज नहीं करने की एवज में प्रवर्तन अधिकारी सोनू मौर्य दो लाख रुपए की रिश्वत मांग रहा है।

पांच साल में दुनिया में पहचान बनाएगा हिमालय का धन्वंतरि धाम : आचार्य बालकृष्ण

पौड़ी गढ़वाल /हरिद्वार। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर ब्लॉक स्थित मालाग्राम में बुधवार को तीन दिवसीय हर्बल कुंभ, जड़ी-बूटी कृषि मेला एवं धन्वंतरि महोत्सव-2026 का शुभारंभ हुआ। पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि अगले पांच वर्षों में धन्वंतरि धाम वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद, औषधीय वनस्पतियों और अनुसंधान के प्रमुख केंद्र के रूप में पहचान बनाएगा।



मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि यह परिसर दुनिया के लिए अध्ययन और प्रेरणा का केंद्र बनेगा। यहां लगाए गए 50 हजार पौधों में करीब 90 प्रतिशत सुरक्षित हैं। उन्होंने उत्तराखंड के किसानों को चार-पांच दिन का प्रशिक्षण देने और विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों को अध्ययन के लिए भेजने की बात कही।

आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि करीब 200 एकड़ में विकसित हो रहे धन्वंतरि धाम में 29 देशों की जड़ी-बूटियों से जुड़ी ज्ञान परंपराओं पर काम किया जा रहा है। 109 खंडों में 50 हजार से अधिक वनस्पतियों का औषधीय संकलन किया गया है। यहां औषधीय खेती और कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देकर पहाड़ों से पलायन रोकने का प्रयास होगा। महोत्सव में 60 से 70 प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए हैं।

प्राकृतिक खेती, औषधीय पौधों, डिजिटल कृषि, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन और ग्रामीण उद्यमिता की जानकारी दी जा रही है। उद्घाटन पर चार पुस्तकों का विमोचन भी हुआ। अगला हर्बल कुंभ 25 से 27 अक्टूबर 2027 तक आयोजित होगा। आचार्य बालकृष्ण ने घोषणा की कि अब यह आयोजन प्रतिवर्ष किया जाएगा।



